कार्य-वृत्त, बैठक, अध्ययन बोर्ड, शिक्षाशास्त्र (कला संकाय) दिनांक- 9-11-2000
==

स्थान- सभागार पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर ।
समय- 11 बजे पूर्वान्ह

आज शिक्षाशास्त्र (कला संकाय) की स्नातक कक्षाओं हेतु अध्ययन बोर्ड की बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें अधोलिखित सदस्य उपस्थित हुए:-

1. डॉ० के० के० तिवारी
2. डॉ० मातबर मिश्र
3. डॉ० ओम प्रकाश सिंह
4. डॉ० मयानन्द उपाध्याय
5. प्रो० राजेश्वर उपाध्याय

प्रस्ताव संख्या-2
=============

स्नातकोत्तर शिक्षाशास्त्र (कला संकाय) के पाठ्यक्रम को अद्यतन बनाने के लिए यह सर्व सम्मत निर्णय रहा कि यू० जी०सी० के द्वारा तैयार किए गये नेट के परीक्षार्थियों हेतु मार्गदर्शिका के अधोलिखित प्रश्नपत्रों को ज्यों का त्यों स्वीकार कर लिया जाय । विवरण इस प्रकार है:-

एम० ए० प्रथम वर्ष- शिक्षाशास्त्र
======================

प्रथम प्रश्नपत्र- शिक्षा के दार्शनिक आधार पूर्णांक - 100

1. शिक्षा तथा दर्शन का सम्बन्ध ।
2. दर्शन के पश्चिमी सम्प्रदाय (स्कूल)
आदर्शवाद, यथार्थवाद ,प्रकृतिवाद, व्यावहारिकतावाद, अस्तित्ववाद, मार्क्सवाद ज्ञान, यथार्थता तथा मूल्यों के विशेष सन्दर्भ में ।
- शिक्षा के उद्देश्य विषय वस्तु तथा शिक्षा-पद्धति के लिए उनके शैक्षिक पुतितार्थ
3- ज्ञान, यथार्थता तथा मूल्यों की संकल्पना के विशेष सन्दर्भ में भारतीय दर्शन में सांख्य, वेदान्त और बौद्ध, जैन तथा मुस्लिम सम्प्रदायों के शैक्षिक पुतितार्थ ।
4- विवेकानन्द , टैगोर, गांधी तथा अरविन्द का शिक्षा विषयक चिन्तन में योगदान ।
5- भारतीय संविधान में निहित शैक्षिक और राष्ट्रीय मूल्यों (लोकतन्त्र और धर्म निरपेक्षता) का समीक्षात्मक अध्ययन ।

द्वितीय प्रश्नपत्र- शिक्षा के समाजशास्त्रीय आधार पूर्णांक- 100

1- समाजशास्त्र तथा शिक्षा के सम्बन्ध ।
2- शैक्षिक समाजशास्त्र तथा शिक्षा में समाजशास्त्र का स्वरूप तथा अर्थ ।
3- शिक्षा, सामाजिक उप........... के रूप में विशिष्ट लक्षण
4- शिक्षा तथा घर
5- शिक्षा तथा समुदाय, भारतीय समाज के विशेष सन्दर्भ में ।
6- शिक्षा तथा आधुनिकीकरण ।
7- शिक्षा तथा राजनीति ।
8- शिक्षा तथा धर्म
9- शिक्षा तथा संस्कृति ।
10- शिक्षा तथा लोकतंत्र ।
11- बच्चे का समाजीकरण ।
12- सामाजिक परिवर्तन का अर्थ तथा स्वरूप ।
13- सामाजिक स्तरीकरण तथा सामाजिक गतिशीलता में से सम्बद्ध शिक्षा ।
14- सामाजिक समदृष्टि तथा शैक्षिक अवसरों की समानता से सम्बद्ध शिक्षा ।
15- भारत में सामाजिक परिवर्तन पर बाधायें (जाति, नजातीयता, वर्ग, भाषा,

16- समाज के सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से वंचित वर्गों की शिक्षा, अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों, महिलाओं और ग्रामीण जनता के विशेष सन्दर्भ में ।

पूर्णांक - 100

तृतीय प्रश्नपत्र- शिक्षा के मनोवैज्ञानिक आधार

1- शिक्षा तथा मनोविज्ञान का सम्बन्ध ।
2- वृद्धि तथा विकास की प्रक्रिया :-
- भौतिक, सामाजिक, भावात्मक और बौद्धिक ।
- सम्प्रत्यय निर्माण तर्कया शक्ति, समस्या समाधान और सृजनात्मक चिन्तन का विकास: भाषा का विकास ।
- वैयक्तिक विभदेक तंत्र- निर्धारक तत्व आनुवंशिकता तथा परिवेश की भूमिका शैक्षिक कार्यक्रम आयोजित करने के वैयक्तिक अन्तरों के निहितार्थ ।
3- बुद्धि : इसके सिद्धान्त तथा मापन ।
4- अधिगम और अभिप्रेरण ।
- अधिगम के सिद्धान्त:- थार्नडाइक अनुकूलन पावलाम का क्लासिकी तथा स्किनर का क्रिया प्रसूत अनुबन्धन, अन्तदृष्टि द्वारा अधिगम , हल का प्रतिबलन सिद्धान्त । टाल मैन का अधिगम सिद्धान्त ।
- गेने की अधिगम सोपानिकी ।
- अधिगम को प्रभावित करने वाले कारक ।
- अधिगम और अभिप्रेरण ।
- अधिगम का अंतरण और इसके सिद्धान्त ।
5- असाधारण बच्चों-सर्जनात्मक, प्रतिभाशाली पिछड़े, मनोविश्लेषणात्मक अधिगम असमर्थों तथा मंदितयना सहित- का मनोविज्ञान तथा शिक्षा ।
6-- वयक्तित्व - प्रकार तथा गुण सिद्धान्त - वयक्तित्व का मापन ।
7- मानसिक स्वास्थ्य तथा अरोग्यता: समायोजन की प्रक्रिया मानसिक द्वन्द्व एवं प्रतिरक्षा क्रियाविधि, मानसिक अरोग्यता ।

पूर्णांक - 100

चतुर्थ प्रश्नपत्र - शैक्षिक अनुसंधान की विधि

1- शैक्षिक अनुसन्धान का स्वरूप तथा विषय क्षेत्र
- अर्थ एवं स्वरूप
- आवश्यकता एवं उद्देश्य
- वैज्ञानिक खोज एवम् सिद्धान्त विकास
- मूलभूत, अनुप्रयक्त एवं क्रिया अनुसन्धान
2- अनुसन्धान समस्या का निर्माण
- समस्या पहिचानने के लिए कसौटी और श्रोत ।
- चरों का निरूपण और उनको कार्योपयुक्त बनाना
- विभिन्न प्रकार के अनुसन्धानों में पूर्व धारणाओं और परिकल्पनाओं का विकास ।
3- प्रदत्तों का संकलन
- जनसंख्या एवं न्यादर्श की संकल्पना
- न्यादर्श की विभिन्न विधियों
- अच्छे न्यादर्श की विशेषताऐं
4- उपकरण एवं प्राविष्टिका
- अच्छे अनुसन्धान उपकरण की विशेषताऐं
- उपकरणों एवम् प्राविधियों के प्रकार और उनके प्रयोग
- प्रश्नावली- साक्षात्कार प्रेक्षण
- परीक्षण और पैमाने प्रोजेक्टिव और सोसियोमेट्रिक प्रविष्टिया
5- अनुसन्धान के मुख्य उपागम
- वर्णनात्मक अनुसंधान
- [illegible]

- प्र योगशालागत अनुप्रयोग
- क्षेत्रीय अनुप्रयोग
- क्षेत्रीय अध्ययन
- ऐतिहासिक अनुसंधान

6- प्रदत्तों का विश्लेषण
वर्णनात्मक तथा आनुमानिक सांख्यिकी
निराकरणीय परिकल्पना सार्थकता परीक्षण, त्रुटि प्रकार, एक पुच्छीय डिपुच्छीय परीक्षण ।
टी- परीक्षण
एफ- परीक्षण { एक दिश और द्विदिश एनोवा }
अप्रायत्मिक परीक्षण { काई वार्न { एक्स 2{ परीक्षण {
डिश्रेणिक, विन्दु-डिश्रेणिक, चतुष्कोटिक तथा पाई
सह- सम्बन्ध गुणांक
आंशिक और बहु- सह सम्बन्ध

प्रायोगिक कार्य- पूर्णांक- 100 पंचम प्रश्नपत्र

इस प्रायोगिक कार्य में छात्रों को प्रयोगशाला के अन्तर्गत अधोलिखित 10 प्रयोगों को सम्पन्न कर अभिलेख पंजिका बनाने होगें। जिसका मूल्यांकन एक वाह्य और आन्तरिक परीक्षक मिल कर करेंगे । इन 10 प्रयोगों में से किन्हीं 2 को प्रायोगिक परीक्षा में करना होगा ।

1- व्यक्तित्व- मापन
2- सृजनात्मकता परीक्षण
3- आत्म संप्रत्यय
4- मूल्य- परीक्षण
5- समजभिति परीक्षण
6- अभिकृति परीक्षण
7- अभिरूचि परीक्षण
8- रूचि- अअन्वेषी परीक्षण
9- आकांक्षास्तर- परीक्षण ।
10- चिन्ता-मापनी

अंक विभाजन

प्रायो-	30 + 30	=	60
अभिलेख-			20
मौखिकी-			20
		पूर्णांक-	100

एम0 ए0 द्वितीय वर्ष शिक्षाशास्त्र

प्रथम प्रश्नपत्र- भारतीय शिक्षा का इतिहास एवं समसामयिक समस्यायें - (अनिवार्य) .

पूर्णांक - 100

(1) भारतीय शिक्षा इतिहास के मुख्य विन्दु
स्वतंत्रता पूर्व काल,
मैकाले मिनट्स
वुड डिसपैच
हण्टर आयोग
भारतीय विश्वविद्यालय आयोग
सार्जेन्ट रिपोर्ट

स्वातन्त्र्योत्तरकाल
माध्यमिक शिक्षा आयोग रिपोर्ट(मुदालियर)
विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग रिपोर्ट(राधा कृष्णन)
भारतीय शिक्षा राष्ट्रीय आयोग रिपोर्ट (कोठारी)
शिक्षा नीति वक्तव्य 1963
राष्ट्रीय शिक्षा...... 1986
परिवर्तित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1992

(2) भारतीय शिक्षा की समस्यायें :-
उपलब्धता का प्रारम्भिक शिक्षा सार्वजनिकीकरण
भाषा
छात्रों की सहभागिता
विशिष्ट वर्गों की शिक्षा
मूल्यों का संकट
शिक्षकों की पे........... विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता ..... जवाबदेही

(3) उभरती प्रवृतियाँ
सतत शिक्षा
प्रौढ़ शिक्षा
शिक्षा का कब...........
परीक्षा सुधार
सुदूर शिक्षा
जन संख्या शिक्षा

द्वितीय प्रश्नपत्र- शैक्षिक मापन और मूल्यांकन

पूर्णांक- 100

(1) शैक्षिक मापन और मूल्यांकन
संकल्पना विषय-क्षेत्र , आवश्यकता और प्रासंगिकता
(2) मापन के उपकरण तथा मूल्यांकन
परीक्षण और मापन: आत्मनिष्ठ एवं वस्तुनिष्ठ उपकरण:
निबन्धात्मक परीक्षण, वस्तुनिष्ठ परीक्षायें, स्केल प्रश्नावली, शेड्यूल, इन्वेंटरीज,
परफार्मेन्स टेस्ट
(3) माप के अच्छे उपकरण की विशेषतायें

§4§ क- परीक्षाओं का प्रभावीकरण:- मानक- सन्दर्भित एवं निकय सन्दर्भित परीक्षण
स्केलिंग- मानक प्राप्तांक,
टी- प्राप्तांक और सी प्राप्तांक
ख- परीक्षणों का प्रभावीकरण

§5§ निम्नांकित मापन
बुद्धि अभिवृति कौशल उपलब्धि, ~~रुचि~~ रूचि

§6§ परीक्षाओं के प्राप्तांकों का विश्लेषण तथा विद्यार्थियों हेतु प्रतिपुष्टि

§7§ नवीन ~~व~~ प्रवृत्तियाँ
ग्रेडिंग सेमेस्टर सतत, आन्तरिक मूल्यांकन , प्रश्न बैंक, मूल्यांकन में कम्प्यूटर का प्रयोग

III A तृतीय प्रश्न पत्र § शैक्षिक प्रशासन § ✓

शैक्षिक प्रशासन पर्यवेक्षण नियोजन एवं वित्त§

§1§ आधुनिक शिक्षा प्रशासन की संकल्पना का 1900 ई0 से लेकर आज तक विकास:-
टेलरिज्म, प्रशासन प्रक्रिया के रूप में प्रशासन ब्यूरोक्रेसी के रूप में
मानव-सम्बन्ध उपागम तन्त्र उपागम
कर्मिको की मनोवैज्ञानिक आवश्यकताओं की पूर्ति ।
कुछ विशिष्ट प्रवृत्तियाँ जैसे- §अ§विनिश्चयीकरण §ब§ संस्थागत आदेशानुपालन §स§ संस्था विकास §द§ पर्ट

§2§ शिक्षा प्रशासन में नेतृत्व :-
नेतृत्व का अर्थ एवं स्वरूप
नेतृत्व के सिद्धान्त
नेतृत्व के स्टाइल्स
नेतृत्व के मापन

§3§ शिक्षा नियोजन
अर्थ एवं स्वरूप
शिक्षा नियोजन के उपागम
पर्सपेक्टिव नियोजन
संस्थागत नियोजन

§4§ शिक्षा-पर्यवेक्षण
अर्थ एवं स्वरूप
पर्यवेक्षण एक सेवा-कार्य
पर्यवेक्षण एक प्रक्रिया
पर्यवेक्षण प्रशासनिक कार्यों का समूह
पर्यवेक्षण एक नेतृत्व आदि के रूप में
परम्परागत एवं आधुनिक पर्यवेक्षण की तुलना
पर्यवेक्षण के कार्य
पर्यवेक्षण प्रोग्रामों का नियोजन
संगठन एवं ₹
क्रियान्वयन

§5§ भारत में शिक्षा के वित्तीयकरण की समस्या: शिक्षा के व्यय एवं उसके श्रोत

अथवा

III B शिक्षा में निर्देशन एवं परामर्श ✓

1- निर्देशन एवं परामर्श
- संकल्पना
- सिद्धान्त

- आधुनिक प्रवृत्तियाँ तथा नव-प्रवर्तन

§2§ निर्देशन के उपकरण तथा प्रविधियाँ

- अभिलेख: प्रकार, प्रासंगिकता
- माप एवं परीक्षण : प्रकार, प्रासंगिकता
- परिणामों का सम्प्रेषण
- प्रविधियाँ: पनिदेशात्मक परामर्श, अनिदेशात्मक परामर्श , चयन परामर्श
- साक्षात्कार: भूमिका तथा विधि

§3§ व्यावसायिक सूचना
- श्रोत
- संग्रहण तथा प्रसारण

§4§ निर्देश- सेवा- संगठन
- शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर
- सेवाओं के प्रकार सूचना परीक्षण, परामर्श,

§5§ परामर्श देने वालों की अपेक्षित तैयारी करना । अनुवर्ता

§6§ निर्देशन कार्यक्रम का मूल्यांकन करना ।

चतुर्थ प्रश्नपत्र § लघु शोध प्रबंध/निबंध §

पूर्णांक- 100

एम0ए0 प्रथम वर्ष की परीक्षा में 55 प्रतिशत प्राप्तांक प्राप्त करने वाला छात्र इस प्रश्नपत्र के स्थान पर लघु-शोध- प्रबंध जमा करने का अधिकारी हो सकेगा जिसका मूल्यांकन एक आन्तरिक एवं एक वाह्य परीक्षक के औसत प्राप्तांक एवं 25 प्रतिशत मौखिकी के आधार पर किया जायेगा ।

जो छात्र पात्र होने पर भी लघु-शोध प्रबंध नहीं लिखना चाहेंगे, उन्हें और शेष सभी को उसके बदले में 3 घण्टे की अवधि का, निबंध का प्रश्नपत्र हल करना होगा । ये निबंध अधोलिखित शिक्षा ज्वलन्त समस्याओं पर पूछें जायेंगे ।। तीन घंटे में कम से कम 2 निबंध लिखना होगा ।

निबंध के शीर्षक

1- इक्कीसवी शदी के लिए शिक्षा ।
2- अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा एवं सम्पूर्ण साक्षरता अभियान ।
3- राष्ट्रीय जनसंख्या नीति के संदर्भ में ग्रीन शिक्षा ।
4- श्रमिक शिक्षा
5- छात्र असंतोष एवं शिक्षित बेरोजगारी ।
6- भारतीय शिक्षा में मूल्यों का संकट
7- पर्यावरण- शिक्षा ।